भारत ने टी-20 में बनाया छक्कों का महारिकॉर्ड

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को टी20 इंटरनेशनल में नया इतिहास लिख दिया है। भारत ने न्यूजीलैंड के विरुद्ध 11 छक्के लगाए और इसी के साथ वो एक कैलेंडर ईयर में 400 छक्के पूरे करने वाली पहली टीम बन गई इससे पहले ये रिकॉर्ड ऑस्ट्रिया के नाम था। ऑस्ट्रिया ने साल 2025 में 326 छक्के जड़े थे। वहीं फुल मेंबर नेशन की बात करें तो, वो रिकॉर्ड भारत के पास ही था। भारत ने साल 2022 में 289 छक्के जड़े थे। भारत ने इस साल सिर्फ 40 मैचों ही 400 छक्के पूरे कर लिए। नमन धीर ने 19वें ओवर में ब्लेयर टिकनर की गेंद पर छक्का लगाकर भारत के नाम ये उपलब्धि दर्ज कराई। भारत ने इन 400 में से 142 छक्के सिर्फ न्यूजीलैंड के खिलाफ लगाए हैं, जो खुद में ही एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है। किसी भी विरोधी टीम के खिलाफ एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा लगाने के मामले में भी भारत सबसे आगे है। न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को पांचवें टी20 में भारत की ओर से सबसे ज्यादा छक्के ईशान किशन ने लगाए। ईशान के बल्ले से पांच छक्के आए। उन्होंने इसके अलावा पांच चौके भी लगाए और 32 गेंदों में 61 रनों की पारी खेली।

हारकर भी सीरीज जीत गया भारत

अंतिम टी-20 में किवी 7 विकेट से जीता, फिलिप्स के नाम विश्व रिकॉर्ड

हैमिल्टन (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का अंत रोमांचक मुकाबले के साथ हुआ। पांचवें और आखिरी टी20 में न्यूजीलैंड ने भारत को सात विकेट से हराकर सीरीज का शानदार अंत किया। हालांकि, शुरुआती तीन मुकाबले जीतकर टीम इंडिया पहले ही सीरीज अपने नाम कर चुकी थी। भारत ने यह सीरीज 3-2 से जीती। आखिरी मुकाबले में भले ही भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा, लेकिन इस मैच और पूरी सीरीज में कई बड़े रिकॉर्ड बने। भारत ने एक कैलेंडर वर्ष में न्यूजीलैंड के खिलाफ सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड बनाया, वहीं ग्लेन फिलिप्स ने द्विपक्षीय टी20 सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया। इसके अलावा न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ अपना दूसरा सबसे बड़ा सफल टी20 रन चेज भी पूरा किया। आइए जानते हैं भारत-न्यूजीलैंड टी20 सीरीज में कौन-कौन से बड़े रिकॉर्ड बने और आखिरी मुकाबले में दोनों टीमों की पारियों में क्या खास रहा।



पांचवें टी20 मुकाबले में न्यूजीलैंड ने सात विकेट से जीत दर्ज की। टॉस जीतकर मिचेल सैंटनर ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट गंवाकर 191 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड ने 18 ओवर में तीन विकेट खोकर 192 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने सीरीज का स्कोर 3-2 किया। हालांकि, भारतीय टीम शुरुआती तीन मुकाबले जीतकर अजेय बढ़त हासिल कर चुकी थी। भारत ने पहला और दूसरा टी20 चार-चार विकेट से जीता, जबकि तीसरे मुकाबले में छह विकेट से जीत दर्ज की थी। चौथे टी20 में न्यूजीलैंड ने 87 रन से जीत हासिल कर वापसी की और आखिरी मैच में भी अपना दबदबा कायम रखा। 192 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही। फिन एलन दो रन बनाकर अर्शदीप सिंह का शिकार बने। इसके बाद टिम साइफर्ट और डेरिल मिचेल ने पारी को संभाला। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 42 गेंदों में 73 रन की साझेदारी की। मिचेल ने 16 गेंदों में चार चौके की मदद से 29 रन बनाए। मिचेल के आउट होने के बाद टिम साइफर्ट को ग्लेन फिलिप्स का साथ मिला। दोनों बल्लेबाजों ने भारतीय गेंदबाजों पर जमकर हमला बोला और तीसरे विकेट के लिए 86 रन जोड़ दिए। साइफर्ट ने 50 गेंदों में 11 चौके और पांच छक्के लगाकर 93 रन की शानदार पारी खेली।

ईशान ने तोड़ा सूर्या का रिकॉर्ड

नयी दिल्ली (एजेंसी)। ईशान किशन ने रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल में पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया। ईशान अब भारत के लिए एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। ईशान को सूर्या को पीछे छोड़ने के लिए सिर्फ छह रनों की जरूरत थी। ईशान ने इस दौरान अपनी चौथी गेंद पर ही यह रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। ईशान से पहले भारत के लिए एक कैलेंडर ईयर में टी20 इंटरेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सूर्या के नाम था। सूर्या ने साल 2022 में 31 मैचों में 9 अर्धशतक और दो शतक की मदद से 1164 रन ठोक दिए थे। वहीं ईशान ने अब तक 37 मैचों में आठ अर्धशतक और एक शतक की मदद से 1200 से ज्यादा रन बनाने लिए हैं।

ऋषभ पंत न्यूजीलैंड ए के खिलाफ तीसरे मुकाबले से भी बाहर

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत न्यूजीलैंड दौरे पर इंडिया ए के तीसरे और आखिरी अनौपचारिक टेस्ट मैच से भी बाहर हो गए हैं। एहतियात के तौर पर उन्हें इस मुकाबले में नहीं उतारने का फैसला किया गया है। पंत की गैरमौजूदगी से 19 नवंबर से वेलिंगटन में शुरू होने वाले भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहले टेस्ट में उनकी उपलब्धता को लेकर भी सवाल खड़े हो गए हैं। पंत को ईरानी कप के दौरान साइड स्ट्रेन की समस्या हुई थी। इसके बाद वह न्यूजीलैंड दौरे पर इंडिया ए के पहले दो मुकाबलों से भी बाहर हो गए थे। अब वह सात नवंबर से शुरू होने वाले तीसरे मैच में भी नहीं खेलेंगे। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया कि ऋषभ पंत को एहतियात के तौर पर न्यूजीलैंड ए के खिलाफ तीसरे अनौपचारिक टेस्ट से बाहर कर दिया गया है। हालांकि, पंत ने स्किल ट्रेनिंग शुरू कर दी है और उन्हें किसी तरह का दर्द भी नहीं है, लेकिन प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में उनकी वापसी को लेकर अभी कोई निश्चित समयसीमा तय नहीं है। पंत के तीसरे मुकाबले से



बाहर होने के कारण उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले मैदान पर उतरने और अपनी लय हासिल करने का अहम मौका नहीं मिल पाएगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जानी है, जिसका पहला मुकाबला 19 नवंबर से वेलिंगटन में शुरू होगा। पंत अब भारतीय टीम के लिए सिर्फ टेस्ट प्रारूप में खेल रहे हैं। वह वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में अपनी जगह गंवा चुके हैं। ऐसे में टेस्ट सीरीज से पहले उनकी फिटनेस भारतीय टीम के लिए अहम होगी। हालांकि, फिलहाल उनकी वापसी को लेकर कोई आधिकारिक समयसीमा सामने नहीं आई है।

खेल के क्षेत्र में हरियाणा को टक्कर देगा बिहार : मुख्यमंत्री

पटना में राष्ट्रीय जूनियर बालक कबड्डी चैंपियनशिप का भव्य आगाज

पटना। बिहार की राजधानी पटना के पाटलिपुत्र खेल परिसर में रविवार को 52वीं राष्ट्रीय जूनियर बालक कबड्डी चैंपियनशिप का भव्य शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने खेल एवं उद्योग मंत्री श्रेयसी सिंह, अमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष सह हरियाणा सरकार के मंत्री किशन लाल पंवार सहित अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार हर क्षेत्र में विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। आने वाले दिनों में खेल के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर बिहार हरियाणा को टक्कर देगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेलों के विकास के लिए समर्पित खेल संसाधनों और आधारभूत संरचनाओं का निर्माण करेगी। सरकार प्रत्येक खेल के लिए अलग-अलग सुविधाएं विकसित करेगी और तैयार इंफ्रास्ट्रक्चर संबंधित खेल संघों को सौंपा जाएगा, ताकि संघ उसका बेहतर संचालन कर सकें।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न राज्यों से आए खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा



कि ये खिलाड़ी बिहार के ब्रांड एंबेसडर बनकर जाएंगे। उन्होंने आयोजकों से आग्रह किया कि खिलाड़ियों को नालंदा, राजगीर और बिहार म्यूजियम जैसे ऐतिहासिक एवं दर्शनीय स्थलों का भ्रमण भी कराएं। उन्होंने कहा कि बिहार अब काफी बदल चुका है। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतियोगिता में पूरी प्रतिस्पर्धात्मक भावना के साथ खेलें, लेकिन अनुशासन बनाए रखें। विजेता और उपविजेता एक ही टीम बनेगी, लेकिन प्रतियोगिता में भागीदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। विशिष्ट अतिथि खेल एवं उद्योग मंत्री श्रेयसी सिंह ने कहा कि बिहार में खेलों के विकास की गति काफी तेज हुई है। राज्य में बड़े-बड़े राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आयोजन हो रहे हैं। अमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष सह हरियाणा सरकार के मंत्री किशन लाल पंवार ने कहा कि छोटा सा राज्य हरियाणा खेलों के माध्यम से पूरे देश में अपनी पहचान बना चुका है।

आयोजन सचिव सह बिहार राज्य कबड्डी संघ के चेयरमैन कुमार विजय सिंह ने स्वागत भाषण में कहा कि बिहार में केवल कबड्डी ही नहीं, बल्कि सभी खेलों का विकास हो रहा है। बिहार राज्य कबड्डी संघ के संरक्षक अंजनी कुमार सिंह ने अतिथियों का शॉल एवं स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया।

समारोह के दौरान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 2026 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय कबड्डी टीम के मुख्य प्रशिक्षक एवं द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित बलवान सिंह तथा भारतीय पुरुष कबड्डी टीम के सदस्य अर्जुन देशवाल को विशेष रूप से सम्मानित किया। वहीं, खेल विभाग एवं बिहार राज्य खेल प्राधिकरण की ओर से प्राधिकरण के महानिदेशक रवींद्रन शंकरण ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को गदा भेंटकर सम्मानित किया। समारोह का समापन बिहार गीत के साथ हुआ। इसके बाद मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं अन्य अतिथियों ने प्रतियोगिता में भाग लेने आए खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। उद्घाटन समारोह के दौरान खेल विभाग, बिहार सरकार के सचिव दीपक आनंद, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्रन शंकरण, खेल निदेशालय के निदेशक विवेक रंजन मैत्रेय, अमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव जितेंद्र पी ठाकुर और बिहार ओलंपिक संघ के अध्यक्ष अजय कुमार समेत कई गणमान्य अतिथियों की गरिमामई उपस्थिति रही।

मुकाबलों के परिणाम



बिहार बनाम मणिपुर - बिहार ने मणिपुर को 65-17 अंकों से पराजित किया। **गोवा बनाम केरल :** गोवा ने केरल को 52-44 अंकों से हराया। **उत्तर प्रदेश बनाम जम्मू-कश्मीर :** उत्तर प्रदेश ने जम्मू-कश्मीर को 62-25 अंकों से शिकस्त दी, **साई बनाम गुजरात :** साई की टीम ने गुजरात को 63-22 अंकों से पराजित किया, **हिमाचल प्रदेश बनाम ओडिशा :** हिमाचल प्रदेश ने ओडिशा को 76-35 अंकों से हराया, **छत्तीसगढ़ बनाम झारखंड :** छत्तीसगढ़ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए झारखंड को 68-39 अंकों से पराजित किया।

पीवी सिंधु ने फिर लहराया तिरंगा

हाइलो ओपन का खिताब जीतकर इस साल दूसरी बार बनीं चैंपियन

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हाइलो ओपन सुपर-500 टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया है। रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने डेनमार्क की दुनिया की 25वें नंबर की खिलाड़ी लाइन होजमार्क कजर्सफेल्ट को सीधे गेमों में 21-12, 21-14 से हराया। इस जीत के साथ सिंधू ने सीजन का अपना दूसरा खिताब हासिल किया।

जर्मनी के सारब्रुकेन में खेले गए फाइनल मुकाबले में दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधू ने शुरुआत से ही शानदार खेल दिखाया। उन्होंने अपने दमदार स्मैश, सटीक शॉट और बेहतरीन रणनीति के दम पर आठवीं वरीयता प्राप्त कजर्सफेल्ट को कोई बड़ा मौका नहीं दिया। करीब 39 मिनट तक चले मुकाबले में सिंधू ने 21-12, 21-14 से जीत दर्ज कर खिताब पर कब्जा जमा लिया। सिंधू का इस सीजन में यह दूसरा खिताब है।

इससे पहले उन्होंने जुलाई में जापान ओपन का खिताब अपने नाम किया था। हालांकि, पिछले सप्ताह खेले गए फ्रेंच ओपन के फाइनल में उन्हें उपविजेता बनकर संतोष करना पड़ा



था। अब हाइलो ओपन में जीत के साथ उन्होंने शानदार वापसी की है।

फाइनल से पहले भी सिंधू का डेनमार्क की खिलाड़ी के खिलाफ रिकॉर्ड काफी बेहतर था। दोनों के बीच अब तक हुए मुकाबलों में सिंधू ने 6-1 की बढ़त बना रखी थी। कजर्सफेल्ट को सिंधू के खिलाफ एकमात्र जीत 2025 के सुदीरमन कप फाइनल में मिली थी। हाइलो ओपन के फाइनल में जीत के साथ भारतीय खिलाड़ी ने अपना दबदबा एक बार फिर साबित कर दिया।

हाइलो ओपन का खिताब जीतने के साथ ही सिंधू को 9200 रैंकिंग अंक मिले हैं। इससे साल के आखिर में होने वाले विश्व टूर फाइनल्स में जगह बनाने की उनकी उम्मीदों को मजबूती मिली है। दुनिया की आठवें नंबर की भारतीय खिलाड़ी के लिए यह जीत सीजन के लिहाज से काफी अहम मानी जा रही है। सिंधू के इस प्रदर्शन ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह बड़े मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करने का दम रखती हैं।

लक्ष्य सेन ने भी जीता हाइलो ओपन खिताब

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने हाइलो ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट में पुरुष एकल का खिताब अपने नाम कर लिया। रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में लक्ष्य ने इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी को सीधे गेम में 21-17, 21-10 से हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। इस जीत के साथ ही लक्ष्य ने भारत को टूर्नामेंट में दूसरा खिताब दिलाया। इससे पहले पीवी सिंधू ने महिला एकल का खिताब जीता था। दुनिया के आठवें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने फाइनल में शुरुआत से ही दमदार खेल दिखाया। पहले गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन लक्ष्य ने अहम मौकों पर धैर्य बनाए रखते हुए 21-17 से गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भारतीय शटलर ने पूरी तरह दबदबा बनाया। लक्ष्य ने आक्रामक खेल और शानदार शॉट्स के दम पर क्रिस्टी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने महज 10 अंक गंवाकर दूसरा गेम 21-10 से जीत लिया और खिताब पर कब्जा जमा लिया। हाइलो ओपन में मिली इस जीत के साथ लक्ष्य सेन ने इस साल अपना पहला बी डब्ल्यू एफ खिताब जीता। फाइनल में उनका प्रदर्शन खास तौर पर दूसरे गेम में शानदार रहा, जहां उन्होंने एकतरफा अंदाज में मुकाबला अपने नाम किया। हाइलो ओपन में भारत के लिए रविवार का दिन यादगार रहा। पीवी सिंधू ने महिला एकल के फाइनल में डेनमार्क की लाइन होजमार्क कजर्सफेल्ट को 21-12, 21-14 से हराकर खिताब जीता। इसके बाद लक्ष्य सेन ने पुरुष एकल का फाइनल जीतकर भारत की झोली में दूसरा खिताब डाल दिया।



भारतीय हॉकी टीम का विजय अभियान जारी

मलयेशिया को हराकर दर्ज की लगातार चौथी जीत, कप्तान हरमनप्रीत की हैट्रिक

जालंधर (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम ने एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए रविवार को मलयेशिया को 4-2 से हरा दिया। पांच बार की चैंपियन भारतीय टीम की इस जीत के हीरो कप्तान हरमनप्रीत सिंह रहे, जिन्होंने शानदार हैट्रिक लगाई। इसके साथ ही भारत ने टूर्नामेंट में लगातार चौथी जीत दर्ज की। भारत की ओर से कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने तीसरे, 33वें और 58वें मिनट में गोल किए। वहीं, सुखजीत सिंह ने 43वें मिनट में मैदानी गोल दागकर टीम की जीत में अहम योगदान दिया। मलयेशिया की ओर से अखिमुल्लाह अनुआर (25वें मिनट) और शेलो सिल्वरियस (60वें मिनट) ने गोल किए। मैच की शुरुआत से ही भारतीय टीम आक्रामक नजर आई। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने तीसरे मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को शानदार ड्रैग फ्लिक के जरिए गोल में बदलकर भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने मलयेशिया के डिफेंस पर लगातार दबाव बनाया, लेकिन कई अच्छे मौकों के बावजूद गोल करने में सफल नहीं



हो सके। दूसरे क्वार्टर में मलयेशिया ने वापसी की कोशिश की और लगातार पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। हालांकि भारतीय डिफेंस ने इन हमलों को नाकाम कर दिया। 24वें मिनट में मलयेशिया को लगातार तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने मजबूती से मुकाबला किया। हालांकि 25वें मिनट में अखिमुल्लाह अनुआर ने फील्ड गोल करके स्कोर 1-1 कर दिया। हाफ टाइम तक दोनों टीमें बराबरी पर थीं।

तीसरे क्वार्टर में भारतीय टीम ने आक्रामक खेल दिखाया। 33वें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे हरमनप्रीत सिंह ने एक बार फिर शानदार ड्रैग फ्लिक से गोल में बदल दिया। इससे भारत ने 2-1 की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद 43वें मिनट में सुखजीत सिंह ने मैदानी गोल करके भारत की बढ़त 3-1 कर दी। इस गोल की शुरुआत उपकप्तान हार्दिक सिंह ने की। उन्होंने मिडफील्ड में गेंद पर कब्जा जमाने के बाद सुखजीत को पास दिया, जिसे उन्होंने बेहतरीन टॉमहॉक शॉट के जरिए गोल में पहुंचा दिया। मैच के अंतिम पलों में भारत को छठा पेनल्टी कॉर्नर मिला।

हरमनप्रीत के गोल की ओर बढ़ते फ्लिक को मलयेशियाई डिफेंडर के शरीर से टकराने के कारण भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिला। 58वें मिनट में हरमनप्रीत ने इसे गोल में बदलकर अपनी हैट्रिक पूरी की और भारत को 4-1 से आगे कर दिया। मैच के अंतिम मिनट में मलयेशिया के शेलो सिल्वरियस ने मैदानी गोल करके स्कोर 4-2 कर दिया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी।

कार्लोस अल्कराज ने एलेक्स डी मिनौर को हराकर जीता खिताब

नयी दिल्ली (एजेंसी)। स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी और सात बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन कार्लोस अल्कराज ने वियना ओपन का खिताब अपने नाम कर लिया है। रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में दूसरी वरीयता प्राप्त अल्कराज ने ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनौर को सीधे सेटों में 6-1, 6-4 से शिकस्त दी। इस जीत के साथ अल्कराज ने इस साल अपना चौथा और करियर का 28वां खिताब हासिल किया। अल्कराज की डी मिनौर के खिलाफ यह लगातार सातवीं जीत है। दोनों खिलाड़ियों के बीच अब तक सात मुकाबले हुए हैं और हर बार स्पेनिश खिलाड़ी ने बाजी मारी है। खास बात यह है कि अल्कराज ने डी मिनौर को घास, क्ले और इंडोर-आउटडोर हार्ड कोर्ट जैसे सभी तरह के कोर्ट पर हराया है। फाइनल में अल्कराज ने शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा। उन्होंने पहला सेट महज 6-1 से जीतकर मुकाबले में बढ़त हासिल की। दूसरे सेट में डी मिनौर ने वापसी की कोशिश की, लेकिन अल्कराज ने 6-4 से सेट जीतकर खिताब पर कब्जा जमा लिया। मैच का सबसे आकर्षक पल आखिरी गेम में देखने को मिला। अल्कराज ने बैकहैंड ड्रॉप शॉट से डी मिनौर को नेट की ओर बुलाया। इसके बाद शानदार बैकहैंड लॉब लगाकर उन्हें चकमा दिया। डी मिनौर ने वॉली से गेंद वापस भेजी, लेकिन अल्कराज ने क्रॉस-कोर्ट फोरहैंड लगाकर मुकाबले को यादगार अंदाज में समाप्त किया।



विपुल कृष्णा और विवेक में कांटे की टक्कर

बिहार सीनियर फीडे रेटिंग शतरंज प्रतियोगिता

मुजफ्फरपुर। अखिल बिहार शतरंज संघ के तत्वावधान में मुजफ्फरपुर जिला शतरंज संघ द्वारा मुजफ्फरपुर के खबरा स्थित एक फार्म हाउस में आयोजित 'बिहार राज्य सीनियर फीडे रेटिंग शतरंज प्रतियोगिता' का रोमांच अपने चरम पर है। प्रतियोगिता के दूसरे राउंड में टूर्नामेंट के सबसे बड़े और चौंकाने वाले उलटफेर देखने को मिले, जहाँ कम रेटिंग और अनरेटेड खिलाड़ियों ने मजबूत तथा उच्च रेटिंग वाले अनुभवी खिलाड़ियों को धूल चटा दी युवा खिलाड़ी प्रज्ञान परखर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 1741 रेटिंग वाली मजबूत खिलाड़ी शिव प्रिया को पराजित कर बड़ा उलटफेर किया। मुकाबले की शुरुआत प्रीक डिफेंस से हुई, जिसमें प्रज्ञान ने आक्रामक रणनीति अपनाते हुए किंग-साइड पर लगातार दबाव बनाया और अपने मोहरों की सक्रियता से खेल पर नियंत्रण स्थापित कर लिया।



मिडिलगेम में सटीक रणनीति और सामरिक समझ का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने प्रतिद्वंद्वी को रक्षात्मक स्थिति में धकेल दिया और एंडगेम में उत्कृष्ट तकनीक व धैर्य दिखाते हुए यादगार विजय दर्ज की।

एक अन्य रोमांचक मुकाबले में अनरेटेड खिलाड़ी सुबोध कुमार ने 1648 रेटिंग के मजबूत खिलाड़ी पीयूष कुमार मिश्रा को पराजित कर सभी को चौंका दिया।

दूसरे राउंड के बाद शीर्ष रैंक के खिलाड़ी शुरुआती दो राउंड के रोमांचक मुकाबले समाप्त होने के बाद स्टैंडिंग में शीर्ष स्थान पर चल रहे प्रमुख खिलाड़ियों की आधिकारिक सूची इस प्रकार है : प्रथम स्थान विपुल सुभाषि, द्वितीय स्थान कुमार किशन, तृतीय स्थान विवेक शर्मा, चौथा स्थान कुमार पीयूष, पांचवां स्थान सुधीर कुमार सिन्हा, छठा स्थान भूपनाथ, सातवां स्थान विजय कुमार, आठवां स्थान रूपेश बी रामचंद्र, नौवां स्थान शुभम कुमार, दसवां स्थान आर्थ भारद्वाज।

लगातार तीन हार के बाद जीती टीम इंडिया

बांग्लादेश को हराया, शशांक ने 15 गेंद पर बनाये 50 रन

मोंग कोक (एजेंसी)। हॉन्गकॉन्ग सिक्सेस में लगातार तीन हार झेलने के बाद भारतीय टीम को आखिरकार पहली जीत मिल गई है। मिशन रोड ग्राउंड में रविवार को खेले गए मुकाबले में टीम इंडिया ने बांग्लादेश को आखिरी गेंद पर पांच विकेट से हराया। भारतीय टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश की टीम ने छह ओवर में पांच विकेट पर 116 रन बनाए थे। 117 रन का लक्ष्य भारतीय टीम ने पारी की आखिरी गेंद पर हासिल किया। बांग्लादेश की ओर से कप्तान अबू हिदर रोनी ने मात्र 18 गेंदों पर आठ छक्कों और तीन चौकों की मदद से नाबाद 62 रन की पारी खेली। इसके अलावा हबीबुर रहमान सोहन ने छह गेंद पर 18, सब्बीर रहमान ने चार गेंद पर 13 और चौधरी मोहम्मद रिजवान ने पांच गेंदों पर 12 रन बनाए। भारत की तरफ से कप्तान क्रुणाल पांड्या सफल गेंदबाज रहे। क्रुणाल ने दो ओवर में 25 रन देकर तीन विकेट लिए। राहुल त्रिपाठी को एक विकेट मिला। 117 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को आखिरी गेंद जीत मिली। शशांक सिंह ने 15 गेंदों पर सात छक्कों और एक चौके की मदद से 50 रन की पारी खेली।



नामीबिया ने आखिरी मैच में आयरलैंड को हराया

विंडहोक (एजेंसी)। नामीबिया क्रिकेट टीम ने इतिहास रचते हुए आयरलैंड के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज 3-2 से अपने नाम कर ली। रविवार को खेले गए सीरीज के पांचवें और आखिरी मुकाबले में नामीबिया ने आयरलैंड को पांच विकेट से शिकस्त दी। इसके साथ ही नामीबिया ने पहली बार किसी आईसीसी पूर्ण सदस्य देश के खिलाफ द्विपक्षीय वनडे सीरीज जीतने का ऐतिहासिक कारनामा किया। नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए इस मुकाबले में मेजबान टीम ने शानदार गेंदबाजी के दम पर आयरलैंड को महज 129 रन पर समेट दिया। इसके बाद बल्लेबाजों ने 21.2 ओवर में पांच विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने महज छह रन के स्कोर पर टिम टेक्टर (5) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद कैड कारमाइकल और एंड्रयू बालबर्नी ने पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन बालबर्नी नौ रन बनाकर आउट हो गए। कारमाइकल ने 57 गेंदों में 27 रन बनाए। वहीं हैरी टेक्टर ने कप्तान लॉरेन टकर के साथ कुछ देर तक पारी को आगे बढ़ाया। हालांकि, नामीबिया के गेंदबाजों ने लगातार विकेट निकालकर आयरलैंड को दबाव में बनाए रखा। नामीबिया की ओर से जेजे स्मिट ने शानदार गेंदबाजी करते हुए आयरलैंड की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। पारी के 22वें ओवर में उन्होंने पहली दो गेंदों पर लॉरेन टकर (20) और कर्टिस कैंफर (0) को पवेलियन भेजा। इसके साथ ही उनके पास हैट्रिक लेने का मौका था, लेकिन जॉर्ज डॉकरेल ने तीसरी गेंद पर कोई रन नहीं बनने दिया। हालांकि, स्मिट ने ओवर की चौथी गेंद पर डॉकरेल को एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। इस तरह उन्होंने एक ही ओवर में तीन विकेट हासिल किए और आयरलैंड को बड़ा झटका दिया। एक समय आयरलैंड का स्कोर 84 रन पर छह विकेट था।

